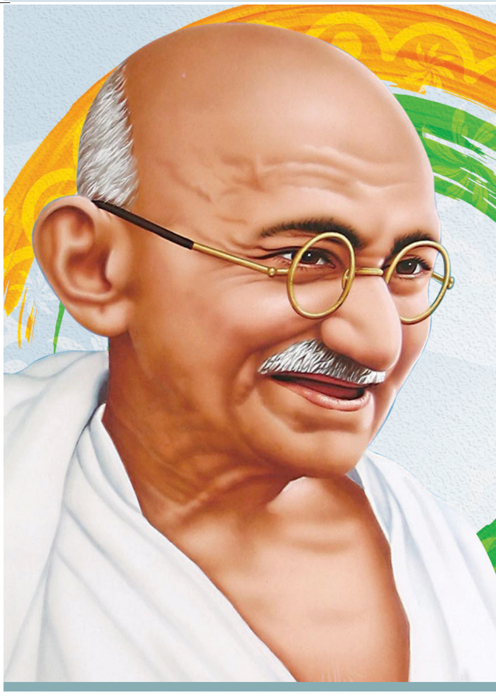

साहित्यिक शिक्षा को हाथ की शिक्षा का पालन करना चाहिए - एक उपहार जो मनुष्य को जानवर से अलग करता है। -महात्मा गांधी

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

कनेक्ट

वर्ष-5, अंक- 10 अक्टूबर 2019 www.mgncre.org

जल शक्ति कैंपस और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ कैंपस नियम पुस्तिका का लोकार्पण

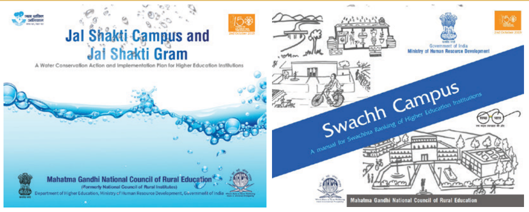

तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित ने “गांधीजी के जीवन और विचारों” पर संगोष्ठी का उद्घाटन किया और 27 सितंबर को महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह के हिस्से के रूप में एमजीएनसीआरई नियम पुस्तिका - जल शक्ति परिसर और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर का शुभारंभ किया।

30 सितंबर को राजभवन बैंगलोर में कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री वजुभाई वाला द्वारा जल शक्ति कैम्पस और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर नियम पुस्तिका का विमोचन किया गया ।

संपादक की टिप्पणी

एमजीएनसीआरई टीम हमारे आउटरीच और कनेक्ट के साथ अनुभवजन्य शिक्षा के हिस्से के रूप में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों और बीएड कॉलेजों का दौरा कर रही है। हमारे अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, गांधीजी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में, भारत भर के शैक्षणिक संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर नई तालीम सप्ताह का आयोजन किया। इस अभियान का समापन 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय नई तालीम दिवस के रूप में देश के सभी स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों में मनाया जाएगा।

कुल 22 मैनेजमेंट इंटर्न जो एमएड, एमबीए और एम टेक बैकग्राउंड से पोस्ट ग्रेजुएट हैं, उन्हें एमजीएनसीआरई द्वारा भर्ती किया गया है। मैं डॉ. डी के लाल दास का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने हमें महत्वपूर्ण शोध विधियों में प्रशिक्षित किया है। इन इंटर्न को रिसर्च मेथडॉलाजी में रिसर्च प्रॉब्लम, रिसर्च डिजाइन, हाइपोथीसिस फॉर्म्युलेशन, सैंपलिंग, स्केलिंग / डिजाइन ऑफ डिजाइन / सांख्यिकीय तकनीक, डेटा कलेक्शन, एनालिसिस, इंटरप्रिटेशन, सूक्ष्म / लघु अनुसंधान और रिपोर्ट राइटिंग ऑफ एक्शन रिसर्च के घटकों के पहलुओं को कवर करते हुए 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। मैं डॉ. सास्वता बिस्वास, प्रोफेसर आईआरएमए के लिए भी बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हमें केस राइटिंग तकनीकों में प्रशिक्षित किया।

हमने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के संदर्भ में 2 अक्टूबर को जल शक्ति कैंपस और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर में मैनुअल का लोकार्पण करने के लिए चुना है। यह प्रक्षेपण स्वच्छता, स्वच्छता और जल संरक्षण में उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक कदम है जो विकास के लिए राष्ट्रीय आवश्यकताएं हैं। मैं तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल श्री बनवारीलाल पुरोहित और कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री वजुभाई वाला का क्रमशः 27 और 30 सितंबर को नियम पुस्तिका के शुभारंभ के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं उत्सुकता से 2 अक्टूबर को अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नियम पुस्तिका के लोकार्पण का इंतजार कर रहा हूँ , जो देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वच्छता आंदोलन के लिए बहुत जरूरी आवेगों को जोड़ देगा। मंत्रालय को उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पॉलिटेक्निक सहित उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा उपयोग में लाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जो परिसरों और उन गांवों में जल संरक्षण के लिए कार्यनीति, कार्य योजना और कार्यान्वयन योजनाएं हैं, जिनके साथ परिसर जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), स्वच्छ कार्य योजना (एसएपी) और उन्नत भारत अभियान (यूबीए) में। एमजीएनसीआरई ने स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) के हिस्से के रूप में कार्यशालाएं और प्राध्यापक विकास कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। परिषद लगभग 100 स्वच्छाग्रहियों को उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ काम करेगी और प्रति संस्थान दो गांवों का दौरा करेगी। संस्थानों के

कार्य आउटपुट को केस स्टडी और वीडियो केस स्टडी के रूप में प्रलेखित किया जाएगा जो गांवों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं के संबंध में गांवों के क्रॉस सेक्शन को समझने में मदद करेगा।

मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व है कि एमजीएनसीआरई की शिरोमणि में एक और पंख जोड़ा गया है क्योंकि हमने लेह, लद्दाख में नई तालीम पर एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम चलाया। एमजीएनसीआरईआरई द्वारा आउटरीच लांघना और सीमा से बढ़ी है और हम अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए और भी अधिक प्रेरित हैं।

डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार
अध्यक्ष एमजीएनसीआरई

यह मुझे बड़ी उपलब्धि देता है कि महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर एमजीएनसीआरईआरई की नियमावली - जल शक्ति परिसर और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर - 2 अक्टूबर को विमोचन के लिए योजना की गई हैं। यह एक मील का पत्थर की उपलब्धि होगी क्योंकि मंत्रालय के निर्देशानुसार लगभग 45,000 उच्च शिक्षा संस्थान इन पुस्तिकाओं का उपयोग करेंगे। उस जल शक्ति नियमावली का उपयोग राजभवन हैदराबाद तेलंगाना की पानी की स्मार्टनेस का आंकलन करने के लिए किया गया है। राजभवन के अनुरोध के अनुसार तेलंगाना वास्तव में एक उपलब्धि है और इन नियमावली के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए प्रतिज्ञा करता है।

स्वच्छ यात्रा कार्य योजना गतिविधियों के साथ-साथ देश भर में नियमावली जारी करने के दौरान नई तालीम गतिविधियां जारी हैं, अगले महीने और उसके बाद एमजीएनसीआरई के लिए गतिविधियाँ में शामिल हैं। मैं बेसब्री से मैनुअल के विमोचन का इंतजार कर रहा हूँ।

डॉ. भारत पाठक
उपाध्यक्ष एमजीएनसीआरई

मन, शरीर और हृदय को शिक्षित करना - गांधीजी और उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद में भाग लेने वाले अध्यक्ष एमजीएनएनआरई यूनेस्को नई दिल्ली में आज का यूनेस्को सत्र अध्यक्ष

नई तालीम सप्ताह समारोह

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

डीआईईटी मिज़ोरम (1) एससीईआरटी मिज़ोरम (2)
श्री कृष्णा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज कोयंबटूर (3)
डीआईईटी यचुली (4,15)
डीआईईटी असम (5,7,8) केवीआर, केवीआर और एमकेआर कॉलेज, खाजिपलेम, आंध्र प्रदेश (6)
डीआईईटी गोवा (9)
डीआईईटी बर्दवान पश्चिम बंगाल (10)
डीआईईटी दिरंग (11)
पिल्लई कॉलेज ऑफ एजुकेशन मुंबई (12,13)
डीआईईटी नाहरलागुन (14)
डीआईईटी पुरुलिया (16)
डीईआरटी शिलांग (17)

27 और 28 सितंबर — महात्मा गांधी की नई तालीम शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हेड हार्ट एंड हैंड्स - एपी एचआरडीआई बापटला आंध्र प्रदेश

बुद्धि, हृदय और हाथ के लिए महात्मा गांधी की नई तालीम शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 27 और 28 सितंबर को एपी एचआरडीआई बापटला में एमजीएनसीआरई और नई तालीम सेवा समिति, समग्र शिक्षा के सेवाग्राम, स्कूल शिक्षा विभाग, एपी सरकार के सहयोग से आयोजित की गई थी। श्री बी. राजशेखर, प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, श्री वी. चीन वीरभद्रुडु, राज्य परियोजना निदेशक, समाग्रा शिक्षा और सुश्री के संध्या रानी आईपीओएस, स्कूल शिक्षा आयुक्त की उपस्थिति में संगोष्ठी का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री औदिमुलपु सुरेश द्वारा किया गया। प्रो. जी. विश्वनाथप्पा निदेशक स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग (एसआईईएमएटी) संगोष्ठी के निदेशक थे, जबकि श्रीमती वी. स्वाति देव और एसआईईएमएटी के डॉ. वी. सतीश रेड्डी संयोजक थे। चेयरमैन एमजीएनसीआरई डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार सम्मानित अतिथि थे। उन्होंने नई तालीम की अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से समझाया। श्री सी ए प्रसाद, राज्य अध्यक्ष प्रजा विज्ञान वेदिका ने नई तालीम दर्शन को अपनी अनुपम शैली में कणिकाओं में पिरोया। 200 प्रतिभागियों के साथ संगोष्ठी ने स्कूलों के लिए एक बेहतर बुनियादी ढांचा बनाने और नई तालीम की प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित किया। और बुनियादी शिक्षा पर गांधीजी के विचार डॉ. टी. सुमालिनी ने वर्क, क्राफ्ट / आर्ट एजुकेशन पर सेशन लिया, जबकि अनुभवजन्य शिक्षा सत्र प्रो प्रतिभा द्वारा लिया गया। प्रो. सुधाकर ने व्यक्तिवादी शिक्षा पर बात की, जबकि डॉ. जी विश्वनाथप्पा ने प्रतिभागियों को व्यावसायिक दक्षता पर संबोधित किया।

एफडीपी — टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी (टीयूआई) कोलकाता - 24 से 28 सितंबर

अपशिष्ट प्रबंधन पर प्राध्यापक विकास कार्यक्रम और सामाजिक उद्यमिता

टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी में टीयूआई के प्रोफेसर मनीषी रॉय चौधरी सह कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालय के परिचय के साथ शुरू हुआ। यूनिवर्सिटी व्यवस्था टॉक में सस्टेनेबिलिटी और उसके लाभों का महत्व सुश्री पॉलीन लारावॉइरे- सस्टेनेबिलिटी डायरेक्टर, टीयूआई द्वारा दिया गया था। प्रो. सैकत मैत्र उप कुलपति मेकूट डब्ल्यूबी ने पाठ्यक्रम के भविष्य और आज के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर बात की। बीबीए और एमबीए डब्लूएम और एसई पाठ्यक्रम की गुंजाइश डॉ. तारित कुमार मजूमदार, उप कुलपति, टेक्नो ग्लोबल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय द्वारा दी गई थी। अध्यक्ष एमजीएनसीआरई ने तीव्र संकट के वर्तमान परिदृश्य पर बात की, जहां हम अपने संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग करने में असमर्थ हैं, और उपलब्ध अपशिष्ट पदार्थों का सबसे अच्छा उपयोग कैसे किया जा सकता है। उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पाठ्यक्रमों के लेनदेन के लिए शिक्षाविदों और उद्योग के साथ छात्रों के निर्माण, एकत्रीकरण और नेटवर्किंग पर भी बात की। अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पर किताबें तब प्रतिष्ठित लोगों द्वारा जारी की गई थीं।

डॉ. विनित दानी एमजीएनसीआरई संसाधन व्यक्ति ने भारत में विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम इनपुट को डिजाइन करने, विकसित करने और बढ़ावा देने में एमजीएनसीआरई की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रो. एच.एस. राउत, विजिटिंग फैकल्टी कलकत्ता विश्वविद्यालय ने अक्षय ऊर्जा के विभिन्न उपयोगों पर बात की। श्री पराग मजुमदार, सीईओ और एमडी, रिटमैन ग्रुप ऑफ कंपनियों ने निर्माण सामग्री की बर्बादी को रोकने के लिए वर्तमान परिदृश्य में पेश किए गए निर्माण समाधानों की ओर इशारा किया। अमुक्तिका इंडस्ट्रीज, कोलकाता के सह-संस्थापक, श्री शुभम दास ने स्रोत पर कचरे के प्रबंधन की चुनौतियों

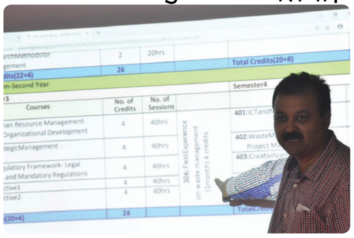

पर बात की। उन्होंने अपने संगठन द्वारा संचालित जल प्रौद्योगिकियों और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। डॉ. अरुण के. मित्र, एचओडी और एसोसिएट प्रोफेसर, जेवियर कॉलेज, कोलकाता ने विभिन्न प्रकार के मशरूम पर काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। इंटरव्यू सत्र और चर्चा श्री दिलीप के. चक्रवर्ती अकादमिक सलाहकार, एमजीएनसीआरई द्वारा आयोजित सत्रों में आयोजित की गई थी। उन्होंने नई तालीम के महत्व और शिक्षण में नई तालीम के महत्व के पीछे के दर्शन पर भी बात की। डॉ. तापस केआर. गुप्ता, पश्चिम बंगाल के मुख्य अभियंता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ने भारत में विशेष रूप से अपशिष्ट प्रबंधन पर पर्यावरण प्रदूषण और नियमों पर एक सत्र लिया। श्री एस.एम. गोम्स, निदेशक ईडीआई, कोलकाता में पानी पर काम करने के अपने अनुभव, सामाजिक और सांस्कृतिक या पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के विकास, निधि और कार्यान्वयन के लिए दृष्टिकोण स्टार्ट-अप कंपनियों और उद्यमियों से बात कर सकते हैं। सभी

प्रतिभागियों को जैव अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को समझने के लिए कोलंबिया एशिया अस्पताल, कोलकाता के क्षेत्र के दौरे के लिए ले जाया गया।

आईआईटी मुंबई के पूर्व प्रोफेसर डॉ. सरजीत बसु ने कचरे के पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के साथ अपशिष्ट उपचार पर एक सत्र लिया। डॉ. एन.के. ब्रह्मा, पूर्व-प्राध्यापक, IIT खड़गपुर, ने पानी के उपचार के लिए अर्ध पारगम्य झिल्ली प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर बात की। सुश्री मंदिरा कर्मकार, सह-संस्थापक अमुकटिका इंडस्ट्रीज और क्षितिज फाउंडेशन, ने पश्चिम बंगाल में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं के लिए आजीविका प्रदान करने के लिए एक एनजीओ शुरू करने में आने वाली चुनौतियों पर बात की। सभी 30 प्रतिभागियों को पश्चिम बंगाल सरकार के ग्राम पंचायत प्रतापदित्यनगर के तहत प्रतापदित्यनगर इको पार्क के क्षेत्र भ्रमण के लिए ले जाया गया। इको पार्क ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर एक पहल है।

डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश में 5 से 10 सितंबर तक नई तालीम गांधीजी की अनुभवजन्य शिक्षा पर एफडीपी - डॉ। विजय प्रताप सिंह ने कार्यवाही का समन्वय किया।

नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा पर एफडीपी - इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरापुर, रेवाड़ी हरियाणा 26 से 30 सितंबर

गांधीजी की नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा पर पांच दिवसीय प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो.एस.के. गक्खर, माननीय उप कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर और प्रो आरबी सोलंकी, उप कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा।एफडीपी को डॉ. सविता श्योराण, डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, रजिस्ट्रार, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी, प्रो. मंजू पृथी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर और प्रो इंदु वीरेंद्र, हिंदी की अध्यक्षा, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने भी संबोधित किया।

ग्रामीण समुदाय अनुबंध पर एफडीपी - द्रविड़ विश्वविद्यालय कुप्पम चितूर आंध्र प्रदेश - 3 से 7 सितंबर

प्रो. वी. वी. सत्यवान, डीन स्कूल ऑफ एजुकेशन, द्रविड़ विश्वविद्यालय, ने एफडीपी की अध्यक्षता की। एफडीपी के संयोजक डॉ. आर. यसोदा ने उद्देश्यों और कार्यक्रम के अपेक्षित परिणामों के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सेंकलाहैया, कुलसचिव, प्रोविडेंसिया, ने "पुरा" की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया, जो ग्रामीण भारत के विकास के लिए है। वक्ताओं ने डॉ. एस. विजयवर्धनी, प्रमुख, विभाग शिक्षा, ग्रामीण विकास पर गांधीजी के शब्दों को उद्धृत किया। श्री एम. साई किरन एमजीएनसीआरई संसाधन ने कार्यवाही की पुष्टि की।

माननीय द्रविड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी. लोकनाथा रेड्डी

स्वच्छता कार्य योजना कार्यशाला

व्यापक स्वच्छता प्रबंधन के अभ्यास पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला

यूजीसी-सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. गीता

उद्घाटन भाषण प्रो गीता सिंह और डॉ सरोज कूल द्वारा किया गया

यूजीसी-सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. गीता सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रो. सरोज कौल ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय ने स्वच्छता और उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। कार्यशाला में 16 प्रतिभागी थे जो 11 विभिन्न उच्च शैक्षणिक संस्थानों से आए थे।

एमजीएनसीआरई के संसाधन व्यक्ति डॉ. रवि प्रकाश सिंह, डॉ. विनित दानी, श्री दिनेश पांडे और सुश्री दिव्या छाबड़ा थे। इसका

उद्देश्य व्यापक स्वच्छता की प्रथाओं में 100% उपलब्धि के लिए क्षेत्र की निगरानी के संबंध में प्रतिभागी उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच जागरूकता पैदा करना था। और उसी के लिए केस स्टडी / केसलेट्स का निर्माण और उच्च शिक्षा संस्थानों के विशाल आउटरीच और ज्ञान के आधार के साथ देश में व्यापक स्वच्छता प्रबंधन के लिए स्वर और गति निर्धारित करना। एमजीएनसीआरई श्री अश्विनी कुमार सक्सेना द्वारा विकसित ऑनलाइन SAP पोर्टल एसआरएचयू देहरादून से प्रदर्शित किया गया था, 264 गांवों पर काम करने के अपने अनुभवों को ओडीएफ पर साझा किया। सुश्री विनी माथुर एसोसिएट डीन शिव नाडार विश्वविद्यालय ने एसएचआईकेएसएचए पहल पर एक प्रस्तुति दी। डॉ. नीरज एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसेज एनआईएफटीएएम ने अपने छात्रों को देश की घास की जड़ों से जोड़ने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के उद्देश्य से एनआईएफटीएएम गाँव अनुकूलन कार्यक्रम पर प्रस्तुत किया।

उद्घाटन भाषण प्रो गीता सिंह और डॉ सरोज कूल द्वारा किया गया

सीपीडीएचई, यूजीसी- - एचआरडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय - 4 सितंबर प्रो. गीता सिंह, निदेशक, सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय SAP कार्यशाला में मुख्य अतिथि थे। एमजीएनसीआरई के संसाधन व्यक्ति डॉ। रवि प्रकाश सिंह, डॉ. विनित दानी, श्री दिनेश पांडे और सुश्री दिव्या छाबड़ा थे। कार्यशाला का संक्षिप्त सत्र श्री दिनेश पांडे द्वारा आयोजित किया गया था, कार्यशाला में 14 प्रतिभागी थे जो 11 विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों से आए थे। अपने प्रमुख नोट संबोधन में, श्री दिनेश पांडे ने स्वच्छता और उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। संबंधित संस्थान व्यापक स्वच्छता प्रबंधन की प्रथाओं में 100% उपलब्धि के लिए गांवों की निगरानी करेंगे। संस्थान उन दो गाँवों के केस स्टडी और वीडियो केस स्टडी का दस्तावेजीकरण करेंगे, जिनके साथ वे काम करते हैं और स्वच्छता प्रबंधन के लिए ज्ञान की एक संस्था का निर्माण करेंगे।

पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस (पीएसजीसीएएस) - कोयंबटूर -6 सितंबर

पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस (पीएसजीसीएएस) - कोयंबटूर -6 सितंबर

डॉ. विनित दानी, एमजीएनसीआरई संसाधन व्यक्ति ने "गांवों में स्वच्छता कार्यक्रम" पर बात की। पीएसजीसीएएस के प्राचार्य डॉ. डी. बृन्धा द्वारा तेह SAP कार्यशाला में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया गया। एमजीएनसीआरई के संसाधन व्यक्ति डॉ. रवि प्रकाश सिंह, डॉ। विनित दानी, श्री नवीन कुमार और सुश्री हरिता थे। "गांवों में स्वच्छता कार्यक्रम" पर एक व्याख्यान दिया गया था। कार्यशाला में तमिलनाडु, गोवा, कर्नाटक और केरल के 18 प्राध्यापक सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. वेंकट कृष्ण कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रमुख, पीएसजीसीएएस ने स्वागत भाषण दिया। डॉ कविता ने पीएसजीसीएएस द्वारा ओडीएफ और स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए अन्य सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए उनके द्वारा गोद लिए गए गांवों में की गई पहल के बारे में बताया। श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय के प्रो। पटेल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बायो गैस की स्थापना के अलावा अपने विश्वविद्यालय द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन की पहल की जानकारी दी। डॉ। पेरुमल ने विरुधुनगर जिले में एनएसएस द्वारा गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। सेवइथा विश्वविद्यालय के डॉ. कन्नन ने बताया कि कैसे उनके कॉलेज ने नो प्लास्टिक का लक्ष्य हासिल किया है और कैसे वे चेन्नई

के बाढ़ के दौरान आस-पास के गाँवों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को सौर प्रकाश प्रदान कर रहे हैं। शनमुगा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज सलेम के डॉ। आनंद ने बताया कि कैसे उन्होंने आसपास के दो गांवों को गोद लिया है और ग्रामीणों के लिए शौचालय का निर्माण किया है। महेंद्र कॉलेज ऑफ एजुकेशन से सुश्री एम। कल्पना और सुश्री के. अब्दामी, नमक्कल ने अपने सभी छात्रों के लिए ग्रामीण सशक्तीकरण गतिविधियों को शामिल करने के बारे में बताया, ताकि शिक्षक के रूप में वे अपने छात्रों को समान व्यवहार संबंधी प्रथाओं पर आगे बढ़ा सकें, जिससे पूरे समुदाय को लाभ हो। गोवा विश्वविद्यालय के डॉ. गर्ग ने अपने विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की पहल के बारे में जानकारी दी।

एमजीएनसीआरई में अनुसंधान विधियों / केस लेखन में प्रशिक्षण

प्रो डी के लाल दास

प्रो के सास्वत बिस्वास

दयालबाग एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीईआई), आगरा में 19 सितंबर को एक दिवसीय कार्यशाला (अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता)

15 प्रतिभागियों के साथ एक गोलमेज और एक दिवसीय कार्यशाला का

आयोजन एमबीए (अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता) पर नए लोकार्पण किए गए कोर्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किया गया था। डॉ. सुमिता श्रीवास्तव, प्रबंधन विभाग, डीईआई प्रो. पूर्णिमा जैन,

समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान विभाग की प्रमुख, डीईआई ने मुख्य अतिथि, श्री अरुण प्रकाश को दर्शकों से परिचित कराया। प्रो. प्रेम के कालरा, निदेशक, डीईआई ने अपना स्वागत भाषण देते हुए डीईआई में स्वच्छ कार्य योजना और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के तहत डीईआई की विभिन्न पहलों की शुरुआत की। उनके संबोधन के दौरान, डीईआई पर एक फिल्म भी प्रदर्शित की गई थी। श्री अरुण प्रकाश, नगर निगम आगरा ने कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने निदेशक, डीईआई और अन्य सहयोगियों को पहल करने और डीईआई में एमजीएनसीआरई के सहयोग से एमबीए (अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता) पर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए बधाई दी। उन्होंने समुदाय के आउटरीच कार्यक्रमों के भाग के रूप में डीईआई द्वारा विभिन्न प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगरा प्रशासन डीईआई की ऐसी सभी पहलों में पूरा सहयोग देगा। इस सत्र का समापन एक आधिकारिक पुस्तक के विमोचन के साथ हुआ था, जिसमें डब्ल्यूएम और एसई ने गणमान्य व्यक्तियों को मंच पर बुलाया था। डॉ. विनीत दानी एमजीएनसीआरई रिसोर्स पर्सन ने प्रत्येक कोर्स के लिए क्रेडिट्स और सत्रों की संख्या के विवरण के साथ एमबीए डब्ल्यूएम और एसई कोर्स के लिए पाठ्यक्रम पर परिचय दिया। उन्होंने तीन क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में बताया जो एमबीए

डब्लूएम और एसई पास करने से पहले हर छात्र को पूरा करना अनिवार्य है। पाठ्यक्रम कक्षा कक्ष में सीखा ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग के माध्यम से सीखने के लिए बनाया गया है। प्रो सोमी पियारा, प्रभारी, विश्वविद्यालय सतत नवाचार केंद्र, डीईआई ने अतिसूक्ष्मवाद, सरल जीवन और संसाधनों के इष्टतम उपयोग पर बात की।

एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई में अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता और अपशिष्ट प्रबंधन पुस्तकों के विमोचन में एमबीए की शुरुआत के लिए गोलमेज चर्चा - 13 सितंबर

SAP - एमसीएम डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ और विलेज विजिट में एमजीएनसीआरई रिसोर्स पर्सन प्रियव्रत शर्मा द्वारा समन्वित

टीटीआई निकोबार द्वीप समूह में कार्यशाला 21 सितंबर

अंडमान व निकोबार द्वीप समूह

23 सितंबर को जेएनआरएम पोर्ट ब्लेयर में कार्यशाला

टीजीसीई अंडमान द्वीप समूह में कार्यशाला

एस वी डिग्री कॉलेज सूर्यापेट में 29 वीं सितंबर को एनएसएस पीओ और यूबीए समन्वयक के साथ ग्रामीण सामुदायिक भागीदारी पर कार्यशाला

तेलंगाना

గ్రామాల అభివృద్ధే ఉన్నత భారత్ అభియాన్ లక్ష్యం : ఝాన్సీ

భానుపురి : గ్రామాల అభివృద్ధే ఉన్నత భారత్ అభియాన్ లక్ష్యమని మహాత్మా గాంధీ నేషనల్ కౌన్సిల్ ఆఫ్ రూరల్ ఎడ్యూకేషన్ ప్రోగ్రాం కోఆర్డినేటర్ బి.ఝాన్సీ అన్నారు. ఆదివారం జిల్లా కేంద్రంలోని ఎస్వీ డిగ్రీ కళాశాల సెమినార్ హాల్లో గ్రామీణాభివృద్ధిలో ఉన్నత విద్యా సంస్థల పాత్ర అనే అంశంపై మాట్లాడారు. దేశ ప్రగతి పల్లెల ప్రగతితోనే ముడిపడి ఉందని అన్నారు. కేంద్ర మానవ వనరుల మంత్రిత్వశాఖ ఆధ్వర్యంలో యూబీఏ కార్యక్రమం అమలవుతుందని అన్నారు. హైదరాబాద్ స్ఫూర్తి ఇంజినీరింగ్ కళాశాల రిసోర్స్ పర్సన్ డాక్టర్ కిరణ్ మాట్లాడుతూ యూబీఏ కార్యక్రమం పల్లెల ఎదు

అవగాహన కల్పిస్తున్న ప్రోగ్రాం కోఆర్డినేటర్ ఝాన్సీ

వనరులను బట్టి అభివృద్ధి చేస్తుందని అన్నారు. కళాశాల ప్రిన్సిపాల్ డాక్టర్ కె.రవీంద్రచారి ఆధ్వర్యంలో జరిగిన ఈ కార్యక్రమంలో కళాశాల యూబీఏ కోఆర్డినేటర్ డాక్టర్ వి.వెంకటేశులు, యూబీఏ దత్తత గ్రామాల కోఆర్డినేటర్లు, ప్రభుత్వ,

एसबीए इंजीनियरिंग कॉलेज, सूर्यपेट में 30 सितंबर को यूबीए समन्वयक के साथ यूबीए पर कार्यशाला

कॉलेजों-भाग डिग्री कॉलेज, इब्राहिमपटनम, एनजी सरकारी डिग्री कॉलेज नलगोंडा, केआरआर सरकारी डिग्री कॉलेज, कोडाद और सरकारी डिग्री कॉलेज, भुवनगिरि

26 सितंबर को नीलम संजीव रेड्डी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नई तालीम अनुभवजन्य शिक्षा, कार्य शिक्षा पर कार्यशाला

25 सितंबर को डेविड मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नई तालीम, अनुभवजन्य शिक्षा और कार्य शिक्षा पर कार्यशाला

एसई अल्फोंसास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हैदराबाद में 23 सितंबर को नई तालीम, अनुभवजन्य शिक्षा और कार्य शिक्षा पर कार्यशाला

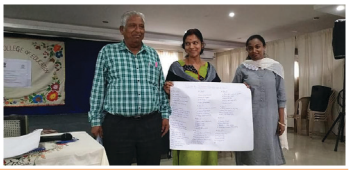

नई तालीम पर कार्यशाला, अनुभवजन्य शिक्षा और काम शिक्षा पनीनेया कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 24 वीं सितम्बर

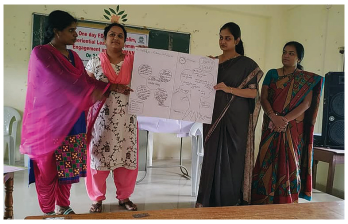

लद्दाख

नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम - लद्दाख 28 सितंबर एमजीएनसीआरई ने लद्दाख में अतिक्रमण किया है .. एक उल्लेखनीय उपलब्धि - DIET लेह के प्राध्यापक के लिए नई तालीम पर एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन करके।

आंध्र प्रदेश

श्री पद्मावती महिला विश्वविधालय तिरुपति 6 सितंबर 2019 को एक दिवसीय नई तालीम कार्यशाला

सितंबर 2019 को विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय में एक दिवसीय नई तालीम कार्यशाला

ग्रामीण समुदाय अनुबंध पर एक दिवसीय कार्यशालाएं

तमिलनाडु

महेंद्र इंजीनियरिंग कॉलेज नमक्कल - 21 सितंबर

मुख्य अतिथि - प्रोफेसर एस मेघनाथ, कॉलेज के निदेशक

21 सितंबर डॉ एन जी पी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर

मुख्य अतिथि प्रोफेसर वी. राजेंद्रन, प्रिंसिपल डॉ. एन जी पी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज और एनएसएस अधिकारी सुश्री रीना रानी, रिसोर्स पर्सन बी एस सी नवीन कुमार (एमजीएनसीआरई) और थिरु कालिडॉस

23 सितंबर को एक दिन की कार्यशाला अल्लागापा कॉलेज कराइकुडी में

24 सितंबर को पीएसजी कॉलेज कोयंबटूर में एक दिवसीय कार्यशाला

एनएसएस की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर महिलाओं के लिए कार्यशाला

शनमुघा कॉलेज सलेम में कार्यशाला 28 सितंबर

डॉ आर राधाकृष्णन, प्रिंसिपल, श्री षण्मुघा कॉलेज, सालेम और श्री उदय कुमार

30 सितंबर को श्रीकृष्ण आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज कोयंबटूर में कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. पी. बाबी शकीला

हरियाणा

स्कूल ऑफ एजुकेशन, हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, जंत-पाली, महेंद्रगढ़, हरियाणा में कार्यशाला 3 सितंबर

नई तालीम और शिक्षक शिक्षा

चांसलर दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (सोनीपत) 40 प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। डॉ. शत्रुघ्न भारद्वाज एमजीएनसीआरई संसाधन व्यक्ति ने समन्वय किया

कार्यशाला, शिक्षा विभाग, CBL विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा सितंबर, नई तालीम और शिक्षक शिक्षा पर कार्यशाला

नई तालीम और शिक्षक शिक्षा

माननीय वाइस चांसलर, प्रोफेसर डॉ. एस के मित्तल ने कार्यवाही का उद्घाटन किया जबकि एमजीएनसीआरई के संसाधन व्यक्ति डॉ. शत्रुघ्न भारद्वाज ने 35 प्रतिभागियों के लिए कार्यवाही का समन्वय किया

ग्रामीण एवं सामाजिक विकास के बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं : प्रो. मित्तल

उत्तर प्रदेश

22 सितंबर, इंदिरा गांधी पी.जी. कॉलेज, गौरीगंज- अमेठी डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध, अयोध्या, अनुभवजन्य शिक्षा गांधीजी की नई तालीम पर एक दिवसीय कार्यशाला

डॉ. अनिल कुमार दुबे कार्यशालाओं के लिए कार्यवाही के समन्वयक थे,

श्री. जगदंबा प्रसाद त्रिपाठी. संस्थापक इंदिरा गांधी पी.जी. कॉलेज गौरीगंज अमेठी (मुख्य अतिथि) डॉ. चंद्र शेखर पांडे, प्राचार्य, इंदिरा गांधी पी.जी. कॉलेज गौरीगंज अमेठ (अध्यक्ष) डॉ. त्रिवेणी सिंह, प्राचार्य, आरआरपीजी। कॉलेज, अमेठी (गेस्ट ऑफ ऑनर) डॉ। विजय मिश्रा, प्रिंसिपल, कर्पूरी जी महाराज राजकीय डिग्री कॉलेज रानीगंज डॉ. लालता प्रसाद द्विवेदी, एचओडी शिक्षा विभाग इंदिरा गांधी पी.जी. कॉलेज गौरीगंज अमेठी डॉ. पंकज कुमार शुक्ला, को-ऑर्डिनेटर, इंदिरा गांधी पी.जी. कॉलेज गौरीगंज अमेठी - कुल प्रतिभागी 29 थे।

राजस्थान

सरस्वती कॉलेज ऑफ टीचर ट्रेनिंग दौसा 27 सितंबर को राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से संबद्ध एक दिवसीय कार्यशाला अनुभवजन्य शिक्षा गांधीजी की नई तालीम पर

प्रतिभागी - 26 डॉ. एस. त्रिवेदी, प्राचार्य, स्व मल चंद मीना शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लालसोट (दौसा) डॉ. रतन तिवारी, अध्यक्ष, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, दौसा (अध्यक्ष) डॉ.एस.के.त्रिवेदी, प्राचार्य, स्व. मूलचंद मीणा शिक्षक प्रशिक्षण (मुख्य अतिथि) डॉ. निकिता त्रिवेदी, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ टीचर ट्रेनिंग दौसा। श्री बनवारी लाल बैरवा (संयोजक)

राजस्थान

एस डब्ल्यू मूलचंद मीणा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, लालसोट 28 सितंबर - राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से संबद्ध एक दिवसीय कार्यशाला अनुभवजन्य शिक्षा गांधीजी की नई तालीम पर

प्रतिभागी - 26 डॉ. निकिता त्रिवेदी, प्रिंसिपल, सरस्वती कॉलेज ऑफ टीचर ट्रेनिंग, दौसा (मुख्य अतिथि) एसएच. सतपाल मीणा, सचिव, स्व. मूलचंद मीणा कल्याण संस्थान डॉ. एस.के. त्रिवेदी, प्राचार्य, स्व. मूलचंद मीणा शिक्षक प्रशिक्षण (मुख्य अतिथि) डॉ. एस.के. त्रिवेदी, प्राचार्य, स्व. मूलचंद मीणा शिक्षक प्रशिक्षण, लालसोट (दौसा) एसएच. सतीश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश

एन.ए.एस. पी.जी. कॉलेज मेरठ 29 सिंतबर को चौ. चरन सिंह विश्वविद्यालय मेरठ अनुभवजन्य शिक्षा गांधीजी की नई तालीम पर एक दिवसीय कार्यशाला - प्रतिभागियों - 26

सत्य प्रकाश गर्ग पूर्व प्रो. डीन मेरठ विश्वविद्यालय डॉ. एस.के. पुंडीर मेरठ कॉलेज मेरठ डॉ. शिखा चतुर्वेदी

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ 30 सितंबर को अनुभवजन्य शिक्षा गांधीजी की नई तालीम पर एक दिवसीय कार्यशाला

प्रतिभागी - 25 - डॉ. शल्य राज (मुख्य अतिथि), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, यू.पी. डॉ एस के पुंडीर, मेरठ कॉलेज, मेरठ, यूपी (गेस्ट ऑफ ऑनर); प्रो. संदीप चौधरी, डीन, शिक्षा प्राध्यापक, एसवीएसयू, मेरठ, यूपी; डॉ. बी. सी. दुबे, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड; डॉ. एसएन दुबे, प्राचार्य, पी. जी. कॉलेज लखोटी, यू.पी. प्रो. अनोज राज, डीन आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज और प्रमुख, शिक्षा विभाग, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, यू.पी. प्रो संतोष शर्मा, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, यू.पी..

माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री कलराज मिश्र से मुलाकात

श्रीमती मंजू राजपाल सचिव राजस्थान और उप सचिव श्री एच. एल. अटल को मैनुअल प्रस्तुत किए जा रहे हैं

ठाकुर श्याम नारायण कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, कांदिवली, मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध मुंबई में नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला - 25 सितंबर

मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता मगरे, प्राचार्या, डॉ. मेघा गोखे और प्रतिभागी

मुंबई के विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री नारायण गुरु कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च चेंबूर में नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता मगरे और प्राचार्य डॉ. अन्ना फर्नांडीज थे।

श्री माछ महाराज कॉलेज ऑफ एजुकेशन दमन यूटी के छात्रों द्वारा गॉव का दौरा - 28 सितंबर

28 सितंबर को दमन यूटी में प्राचार्य श्री माछ महाराज कॉलेज ऑफ एजुकेशन के लिए नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा का परिचय

सत्यमेव जयते

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद, तेलंगाना - 500 004.

तेलंगाना राज्य. दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ. डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया वी और शिवराम जी, श्री पी मुरली मनोहर सदस्य-सचिव एमजीएनसीआर द्वारा प्रकाशित